फ़तह

(सितंबर 2021)

हिन्दी की मासिक पत्रिका

इसे पढ़ना मना है।

पता नहीं लोगों को जिस काम करने को मना किया जाए उन्हें उस काम को करने में मजा क्यों आता है।मैं अक्सर देखती हूँ कि नो पार्किंग वाली जगह में गाड़ियाँ खड़ी करना लोग अपनी शान समझते हैं। कूड़ा कूड़ेदान में डालिए ,ऐसा लिखे हुए स्थानों पर कचरा इधर-उधर बिखरा हुआ दिखाई देता है। यह तो कुछ भी नहीं है! बस की सीट में लिखा होता है 'महिलाओं के लिए आरक्षित', लेकिन देखने में आता है कि महिला बच्चा गोद में लिए खड़ी है और पुरुष सीट पर आराम फरमा रहे हैं। सड़क के बाएं ओर चले, ऐसा नियम बनने पर भी लोग अपनी इच्छा अनुसार दायी तरफ घूमते रहते हैं। ना जाने ऐसी कितनी सारी बातें हैं जिसे करने की मनाही होती है पर लोग उसका पालन नहीं करते। दूसरों की छोड़िए आप अपनी ही देख लीजिए,मैंने इतने बड़े-बड़े शब्दों में लिखा है कि इसे पढ़ना मना है।

और आप.....??

अब हमें ए. टी. एस. वैली स्कूल की बाल सत्ता में रमना है, पढ़ते हैं कि उनके अनुसार क्या मना है।

जैसे मुझे पंसद चना है,
वैसे झूठ बोलना मना है।
मनगीत (5अ)

जैसे अनार में होता दाना है,
वैसे दूसरों को सताना मना है।
विवान त्यागी (1ब)

हाथों को बार बार अच्छे से धोना है
चेहरे को छूना मना है।
यशविन (2अ)

कोरोना में घर से निकलना मना है,
कोरोना में स्कूल जाना सख्त मना है,
घर में बार-बार फोन-टीवी देखना मना है,
जिंदगी में सब बदल गया है, रहना कितना
मुश्किल बन गया है।
युवराज सिंह (3 अ)

जैसे हाथी खाता गन्ना है,
वैसे लड़ना-झगड़ना मना है।
पृशा (2ब)

घर में ताज़ा खाना बना है,
बच्चों कोरोना में बाहर का खाना मना है।
दनिका (1अ)

जिस तरह पेड़ में होता तना है,
उसी तरह भीड़ में निकलना मना है।
कीथ हुसैन (6अ)

पेड़ काटना मना है,
बड़ों का अपमान करना मना है,
भीड़ में खड़े होना मना है,
बुरा बोलना मना है
प्रद्युमन भारद्वाज (4ब)

सूर्य उदय होगा,अंधकार कितना भी घना है,
बिना हेलमेट के वाहन चलाना मना है।
अगम सिंह (1ब)

जैसे सार्वजनिक स्थान पर नशा करना मना है,
वैसे हिंदी की कक्षा में अंग्रेजी और अंग्रेजी की कक्षा में हिंदी बोलना मना है।
अशमीन कौर (1ब)

हाथ धोए बिना खाना खाना मना है,
अनजान चीज़ों को छूना बिल्कुल मना है।
फर्श पर पोछा लगा हो,
तो वहां पर जूते लाना सख्त मना है।
जब मम्मी पापा फोन पर बात कर रहे हों,
तो चीखना चिल्लाना बिल्कुल मना है।
हदीद (1अ)

जैसे:वाटिका में टहलना ठीक है
किंतु फूल तोड़ना मना है,
उसी तरह कक्षा मे पढ़ना उचित है
परंतु शोर करना मना है।
रूद्राक्षी (1अ)

खाना खाते समय जैसे बोलना मना है,
लाल बत्ती होते ही सड़क पार करना मना है,
उसी तरह कक्षा शुरू होते ही बोलना मना है।
वैसे ही सोए हुए शेर को जगाना मना है।
मेहुल जैन (1अ)

सर्दी,खासी और जुखाम,
ये सारे कोरोना के काम।
कोरोना वायरस बड़ा शैतान जना है,
कोरोना में लापरवाही मना है।
आदित्य अत्री (3अ)

मास्क पहनने के लिए बना है,
इसके बिना बाहर जाना मना है।
भीड़ में कोरोना लेता है पनाह,
इसलिए भीड़ में जाना है मना।
गोबिंददीप (4अ)

बाहर अंधेरा घना है,
बारिश का माहौल बना है,
बच्चों को बाहर निकलना मना है।
रेयांश शर्मा (2ब)